रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 22 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 236 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

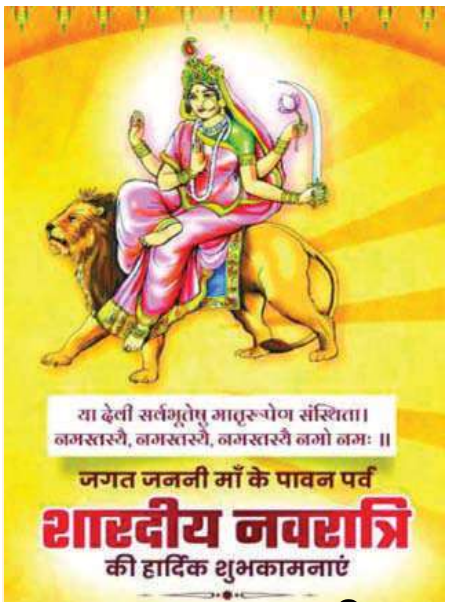

इस बार 9 नहीं 10 दिन के शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्र सोमवार से शुरू हो रहे हैं। इस बार मां जगत जननी दुर्गाजी का आगमन हाथी पर होगा। तृतीया तिथि बढ़ जाने के कारण एक अक्तूबर को नवरात्र पूर्ण होंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार हाथी पर मां का आगमन शुभ माना जाता है। नवरात्र में जो भक्त सच्चे मन से पूजा करते हैं माता उनकी झोली खुशियों से भर देती हैं। नवरात्र की तैयारी को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। जगह-जगह दुर्गा प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। वहीं श्रद्धालु पोशाक और शृंगार के सामान की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानें माता की चुनरी और अन्य पूजन सामग्री से सज गई हैं। कलश स्थापना के लिए दो शुभ मुहूर्त हाथी पर मां के आगमन से देश और जन समुदाय में सुख-समृद्धि, वैभव एवं यश की प्राप्ति होगी। माता‌रानी सभी को ऐश्वर्य, विजय एवं संपन्नता प्रदान करेंगी। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6.03 से लेकर 8.22 तक और 10.40 से लेकर दोपहर 12.56 तक अति शुभ रहेगा। इस बार गज पर आगमन होने से माता धन-धान्य की वृद्धि, कृषि कार्य में बढ़ोतरी, अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि एवं विजय प्रदान करेंगी।

नवरात्रि पूजा विधि

- शारदीय नवरात्रि के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान कर लेना चाहिए। इसके बाद स्वच्छ वस्त्रों को धारण करें।
- इस दौरान पूजा के लिए सबसे पहले माता रानी की चौकी लगाएं और उसपर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं।
- फिर वहां स्वास्तिक का चिह्न बनाएं।
- अब रोली और अक्षत से टीका करें और फिर वहां माता की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
- देवी माता के दरबार में धूप-दीपक जलाएं, और फूल माता अर्पित करें।
- इसके बाद सभी सोलह श्रृंगार का सामान चढ़ाते जाएं।
- फिर दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
- अंत में माता की आरती करते हुए गलतियों की माफी मांगे।

नवरात्रि में अखंड दीप क्यों जलाते हैं

नवरात्रि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। साल में हम 2 बार देवी की आराधना करते हैं। नवरात्रि के दौरान माता रानी को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु कलश स्थापना, अंखड ज्योति, माता की चौकी आदि तरह के पूजन-अर्चन करते हैं। नवरात्रि के 9 दिन हम घर पर कलश स्थापना और अखंड ज्योत जलाते हैं। अखंड ज्योति पूरे 9 दिन तक बिना बुझे जलाने का प्रावधान है। अखंड ज्योति जलाने के बाद आप उसे अकेला नहीं छोड़ सकते हैं और अगर ये ज्योति बुझ जाए तो अपशगुन होता है।

नवरात्रि में 9 दिनों तक देवी मां को प्रसन्न करने और मनवांछित फल पाने के लिए गाय के देशी घी से अखंड ज्योति प्रज्जवलित की जाती है। लेकिन अगर गाय का घी नहीं है तो अन्य घी से भी आप माता के सामने अखंड ज्योति जला सकते हैं। नवरात्रि के दौरान 9 दिन तक दीपक को जलाए रखना अखंड ज्योति कहलाता है। मान्यता है कि नवरात्रि में दीपक जलाए रखने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं। इसलिए नवरात्रि के पहले दिन संकल्प करते हुए अखंड दीपक को जलाना चाहिए और नियमानुसार उसका सरंक्षण करना चाहिए।

अखंड ज्योति जलाने की विधि

नवरात्रि के दौरान जलाए जाने वाले दीपक यानि अखंड ज्योति को जलाने के भी कुछ नियम हैं, जिनका पालन हमें करना चाहिए ताकि हमें मनवांछित फल की प्राप्ति हो सके। आमतौर पर लोग पीतल के दीपपात्र में अखंड ज्योति प्रज्वल्लित करते हैं। यदि आपके पास पीतल का पात्र न हो तो आप मिट्टी का दीपपात्र भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मगर मिट्टी के दीपपात्र में अखंड ज्योति जलाने से पहले दीपपात्र को पहले पानी में भिगो दें और उसे पानी से निकालकर साफ कपड़े से पोछकर सुखा लें। शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि में अखंड ज्योति जलाने से पहले हम मन में संकल्प लेते हैं और मां देवी से प्रार्थना करते हैं कि हमारी मनोकामना जल्द पूर्ण हो जाएं। अखंड दीपक को कभी भी जमीन पर न रखें। दीपक को चौकी या पटरे में रखकर ही जलाएं। दुर्गा मां के सामने यदि आप जमीन पर दीपक रख रहे हैं तो अष्टदल बनाकर रखें। यह अष्टदल आप गुलाल या रंगे हुए चावलों का बना सकते हैं।

अखंड ज्योति की बाती का विशेष महत्व है। यह बाती रक्षासूत्र यानि कलावा से बनाई जाती है। सवा हाथ का रक्षासूत्र (पूजा में प्रयोग किया जाने वाला कच्चा सूत) लेकर उसे बाती की तरह दीपक के बीचोंबीच रखें। अखंड ज्योति जलाने के लिए शुद्ध घी का इस्तेमाल करना चाहिए। यदि आपके पास दीपक जलाने के लिए घी न हो तो आप तिल का तेल या सरसों के तेल का भी दीपक जला सकते हैं। मगर ध्यान रखें कि इनमें सरसों का तेल शुद्ध हो और उसमें कोई मिलावट न हो। अखंड ज्योति को देवी मां के दाईं ओर रखा जाना चाहिए लेकिन यदि दीपक तेल का है तो उसे बाईं ओर रखना चाहिए। अखंड दीपक की लौ को हवा से बचाने के लिए कांच की चिमनी से ढक कर रखना चाहिए। संकल्प समय खत्म होने बाद दीपक को फूंक मारकर या गलत तरीके से बुझाना सही नहीं है, बल्कि दीपक को स्वयं बुझने देना चाहिए।

ईशान कोण यानि उत्तर पूर्व दिशा को देवी-देवताओं का स्थान माना गया है। इसलिए अखंड ज्योति पूर्व-दक्षिण कोण यानि आग्नेय कोण में रखना शुभ माना जाता है। ध्यान रखें कि पूजा के समय ज्योति का मुख पूर्व या फिर उत्तर दिशा में होना चाहिए। अखंड ज्योत जलाने से पहले हाथ जोड़कर श्रीगणेश, देवी दुर्गा और शिवजी की आराधना करें। दीपक प्रज्जवलित करते वक्त मन में मनोकामना सोच लें और मां से प्रार्थना करें कि पूजा की समाप्ति के साथ आपकी मनोकामना भी पूर्ण हो जाए।

अखंड ज्योत जलाते वक्त यह मंत्र पढ़ें

ऊँ जयंती मंगला काली भद्रकाली कृपालिनी
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।। या
दीपज्योतिः परब्रह्मः दीपज्योति जनार्दनः
दीपोहरतिमे पापं संध्यादीपं नमोस्तुते।
दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोस्तु ते।।
शुभ करोतु कल्याणामारोग्यं सुख संपदा
दुष्ट बुद्धि विनाशाय च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।
शुभं करोति कल्याणम आरोग्यम धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोस्तुते।।

इंदौर से पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री रवाना

इंदौर। पंजाब के अमृतसर जिले में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों की सहायता हेतु मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ व राधे राधे फाउंडेशन द्वारा राहत सामग्री का बड़ा काफिला आज इंदौर से रवाना किया गया।

ट्रकों में भेजी गई सामग्री में राशन, दवाइयाँ, कपड़े, कंबल, बिस्किट, पानी की बोतलें और पशुओं के लिए दवाइयाँ शामिल हैं। यह सामग्री अमृतसर के रामदास-अजनाला बेल्ट के घोनेवाल, मच्छीवाला, गहोनीवाल, निशोके, पाण्डजीराईवाला, गुर्मराई, रुरेवाल, दरिया मुसा, मलाकपुर, गिल्ला वाली, बेदी छनना, कोट राजादा, चहारपुर, कामीरपुरा, बल लभे दरिया और साहोवाल समेत लगभग 20 गांवों तक पहुंचाई जाएगी। ये क्षेत्र रावी नदी का धुस्सी बांध टूटने से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं।

प्रस्थान अवसर पर योगेंद्र महंत जी, संतोष मीणा जी, दिनेश जी नेह गंगवालजी , मुक्तांश जैन , प्रभात अग्रवाल सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता व स्वयंसेवक उपस्थित रहे। महासंघ के अध्यक्ष शशि सातपुते ने बताया कि महासंघ के श्रेयांश जैन, रविन्द्र जाधव, विकास पवार, विनय परमार, आर्यन व ललित सातपुते अमृतसर पहुंचकर सामग्री का वितरण करेंगे।

त्यौहारों को देखते हुए
बदमाशों पर पुलिस की सख्ती

राजेश धाकड़

जूनी इंदौर थाना पुलिस ने थमाए रेड और यलो नोटिस

इंदौर। शहर में अपराधों पर नियंत्रण और आगामी त्यौहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना जूनी इंदौर पुलिस ने क्षेत्र के आदतन अपराधियों को थाने बुलाकर रेड एवं यलो कार्ड थमाए और डोजियर भरवाए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि त्योहारों के समय या भविष्य में किसी भी प्रकार का अपराध, झगड़ा अथवा आपराधिक गतिविधि की गई तो दोषियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि यह कदम अपराधियों में भय उत्पन्न करने और क्षेत्र में अमन-चैन कायम रखने के लिए उठाया गया है, ताकि नागरिक सुरक्षित माहौल में त्यौहार मना सकें।

चैतन्य की गहनता, अनुभूति व उपयोग को समझें सहजयोग से - नवरात्रि को सार्थक बनाएं

हमारे अंदर स्थित सुक्ष्म शरीर का ज्ञान और अपने अंतर्शक्ति का आभास हमें तब होगा जब हम इस शक्ति को समझने की शुद्ध और दृढ़ इच्छाशक्ति रखेंगे। जिस प्रकार जिस समय सृष्टि का निर्माण हुआ धरती के अंदर निर्माण की शक्ति निहित थी। वैसे ही, मनुष्य के सृष्टि के पूर्व उनके अंदर भी एक शक्ति स्थापित कर दी गई। यह हमारे अंदर की कुंडलिनी शक्ति है, यही आदिशक्ति का प्रतिबिंब है, इसे आदि कुंडलिनी कह सकते हैं। आदिशक्ति और आदि कुंडलिनी में अंतर यह है कि आदि कुंडलिनी कुंडलिनी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है और आदिशक्ति परम चैतन्य का। कुंडलिनी शक्ति हमारे रीढ़ की हड्डी के नीचे स्थित सेक्रम बोन अर्थात् त्रिकोणाकार अस्थि में स्थित है, जो मानव में प्रतिबिंबित होता है और इसके जागृत होते ही आदिशक्ति का परम चैतन्य हमारी हथेली से प्रवाहित होने लगता है।

आदि कुंडलिनी के नीचे श्री गणेश को बिठाया गया है जो अपनी माँ आदि कुंडलिनी के संरक्षक हैं। हमारी त्रिकोणाकार अस्थि के नीचे मूलाधार चक्र है और यही श्री गणेश का स्थान है। जब तक मूलाधार चक्र स्वच्छ नहीं होगा, श्री गणेश का गुण अबोधिता और सत् सत् विवेक बुद्धि मानव के अंदर प्रस्थापित नहीं होगा तब तक माँ कुंडलिनी

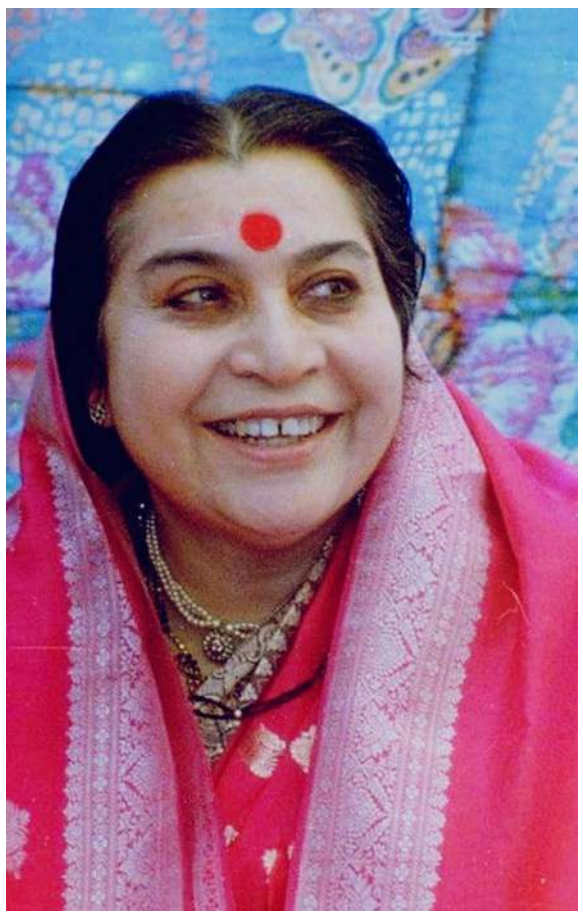

जागृत नहीं होगी। आदिशक्ति के परम चैतन्य से एकाकारिता पाने के लिए हमारे अंदर की कुंडलिनी शक्ति की जागृति होनी चाहिए। नवरात्र के शुभ अवसर पर साधक इस ओर प्रयास कर सकते हैं। सहज योग के सेंटर्स हर शहर और लगभग हर गांव में हैं, जहाँ जाकर सहज योग से जुडा जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन भी सहज योग का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। सहज योगी साधक आत्मसाक्षात्कारी कहलाते हैं क्योंकि उन्होंने ईश्वरीय शक्ति का आभास अपने हथेली और सिर के तालु भाग पर महसूस कर लिया है। सहज योग में आया साधक यह महसूस करने लगता है कि वो वास्तव में एक अच्छा इंसान है। चैतन्य लहरियों के कार्यरत होते ही हम सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं से उपर उठकर एक आनंद लोक के सदस्य बन जाते हैं। हमें इस संसार के भीड़ के अंग मात्र बनकर नहीं रह जाना है अपितु अपने विवेक को जागृत कर ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करना है।

चैतन्य लहरियाँ हमारा विकास करती है, हमारे अंदर सदुण स्थापित करती है, अंतर्दर्शन से हमारे अंदर की समस्त नकारात्मकता नष्ट हो जाती है, चैतन्य लहरियों से हम अपने और अन्यों के चक्रों को समझने लगते हैं। चैतन्य लहरियाँ हमें ज्योतिर्मय करती हैं और यह अनुभूति हमारी दैवीय शक्ति से एकाकारिता को पूर्णत्व प्रदान करती है। हम अपनी चैतन्य लहरियों से दूसरों का दुख दूर कर सकते हैं। क्योंकि यहाँ हमारी शुद्ध इच्छा कार्य करती है। ईश्वर से जुड़े होने के कारण हमारी प्रार्थनायें सहज स्वीकार कर ली जाती है।

हमारे जीवन में, हमारी भाव भंगिमाओं में, हमारे स्वाभाव में और दूसरों के प्रति हमारे व्यवहार में सुंदर बदलाव आने लगता है। आज समाज में हर कोई पूर्ण संतुष्टि, शांति और धैर्य से जीवन जीना चाहता है और आत्मसाक्षात्कार पाने की शुद्ध इच्छा शक्ति से हम इस स्थिति को पा सकते हैं। नवरात्र की सार्थकता को जीवन में उतारने और ईश्वर के साम्राज्य में प्रवेश पाने हेतू सहज योग से जुड़ें और इसके लिए आप अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

खनियांधाना में पल्लवी संस्थान द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान

जगदीश पाल

शिक्षा से ही बनता है सुनहरा भविष्य : मुख्य अतिथियों ने छात्रों को दी प्रेरणा

शिवपुरी/खनियांधाना। नगर में शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी पल्लवी संस्थान के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम खनियांधाना नगर के कुंअर पैलेस में स्वर्गीय निरंजन पाल की स्मृति में प्रतिवर्ष की भांति आयोजित किया गया। समारोह में उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर अपनी कक्षा और विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

प्रशस्ति-पत्र और शील्ड से सम्मानित

आयोजन में प्रतिभावान छात्रों को प्रशस्ति-पत्र और आकर्षक शील्ड भेंटकर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों के मनोबल को ऊँचा उठाना और उन्हें भविष्य में राष्ट्र सेवा एवं समाज निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

मुख्य अतिथि का संबोधन

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह जूदेव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि— "आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। इस प्रकार के सम्मान समारोह से बच्चों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है। हमें चाहिए कि हम बच्चों को सही दिशा दिखाकर उनके सपनों को पंख दें।" उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता और शिक्षक का दायित्व है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उचित मार्गदर्शन दें।

विशिष्ट अतिथि का संदेश

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछोर विधायक प्रतिनिधि जगतसिंह बघेल मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा— "आप सभी छात्र-छात्राएँ आने वाले कल की धरोहर हैं। यदि आप अपना लक्ष्य निर्धारित करके कड़ी मेहनत से पढ़ाई करेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता आपके कदम चूमेगी। शिक्षा ही इस देश की सबसे बड़ी दौलत है, जिसे कोई चुरा नहीं सकता।"

शिक्षकों ने दिया मार्गदर्शन

कार्यक्रम में ओमकारलाल पाल एवं प्रीतम पाल (शिक्षक) ने भी शिक्षा पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई जीवन का सबसे सरल और महत्वपूर्ण कार्य है। मेहनत और अनुशासन से हर मंजिल हासिल की जा सकती है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा "सुनहरा भविष्य आपके अपने हाथों में है, बस आपको निरंतर प्रयास और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ना है।"

बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में सम्मान समारोह को देखने और छात्रों का उत्साहवर्धन करने के लिए नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। विशेष रूप से रामनिवास पाल (नयागांव), बंटी पाल, पवन पाल, परमार पाल, दीपक पाल, अभिषेक पाल, सेनपाल सिंह पाल (कंजवाहा) सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएँ और अभिभावक कार्यक्रम का हिस्सा बने।

आयोजन और संचालन

समारोह का सफल संचालन और आयोजन आशीष पाल, संचालक पल्लवी संस्थान, द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। खनियांधाना नगर में आयोजित यह सम्मान समारोह न केवल छात्रों के उत्साहवर्धन का माध्यम बना, बल्कि समाज में शिक्षा की महत्ता को भी उजागर किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने भी एक स्वर से कहा कि ऐसे आयोजन समय-समय पर होने चाहिए, जिससे बच्चों को प्रेरणा मिलती रहे और वे अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर अग्रसर होते रहें।

नवरात्र पर्व पर मंदिरों में तैयारियां जोरों पर

नागणेचा मंदिर में माता का होगा विशेष श्रृंगार, करवड़ में 51 फीट की चुनरी यात्रा आज

झाबुआ : राजेश सोनी

झाबुआ के गंगाखेड़ी स्थित मां नागणेचा काली कल्याणी धाम पर नवरात्रि की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पेटलावद-रतलाम मार्ग पर स्थित यह धाम श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। वर्षभर यहां श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। धाम के गादीपति ठाकुर प्रताप सिंह राठौर के अनुसार नवरात्रि में प्रतिदिन माता का श्रृंगार किया जाएगा। महाष्टमी और महानवमी पर महायज्ञ एवं पूर्णाहुति का आयोजन होगा। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है। ग्राम करवड़ में भी नवरात्रि महापर्व की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। गरबा पांडाल सजाए जा रहे हैं। आज को विशाल चुनरी और कलश यात्रा निकाली जाएगी। पंकज मेलीवार और शुभम केरावत ने बताया कि यात्रा ढोल-डीजे के साथ जय मां अंबे माता मंदिर से शुरू होगी। यह यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में माता को 51 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की छवि धूमिल करने का प्रयास

मानसिंह राजावत के खिलाफ परदेशीपुरा थाने में दिया गया आवेदन

इंदौर। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की छवि को धूमिल करने के मामले में संगठन ने पुलिस प्रशासन से सख़्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार मानसिह राजावत नामक व्यक्ति आए दिन शहर की विभिन्न दुकानों और कार्यालयों में जाकर लोगों को डराने, धमकाने और वसूली जैसे कार्य कर रहा है। वह स्वयं को बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद से जुड़ा बताकर संगठन के नाम का दुरुपयोग करता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में बजरंग दल के जिला मंत्री अमित आर्य द्वारा परदेशीपुरा थाने में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन में उल्लेख किया गया कि मानसिह राजावत का संगठन से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं है, बल्कि वह संगठन की आड़ लेकर अवैधानिक गतिविधियों को अंजाम देता है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने पुलिस से मांग की है कि राजावत पर तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि संगठन की साख को आंच न पहुंचे और आमजन को भी इस प्रकार के फर्जी व्यक्तियों से सतर्क किया जा सके। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कोई व्यक्ति संगठन के नाम का गलत इस्तेमाल कर वसूली या धमकाने का प्रयास करे, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें।

संपादकीय

चुनाव आयोग अपने स्तर से दें जवाब...

पारदर्शिता लोकतंत्र का जीवन है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही संदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। मगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाती है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है।इस लिहाज से देखें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के ऊहापोह की स्थिति बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के संदेहों को दूर करे, ताकि मतदान की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो।

गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने एक बार फिर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल उठाया और कर्नाटक में आलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि वहां किसी ने गलत तरीके से 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में चूंकि खुद बूथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी का वोट भी हट गया था, इसलिए उसकी जांच के बाद सिरे खुलते गए, जो बेहद चिंताजनक थे। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मतदाता

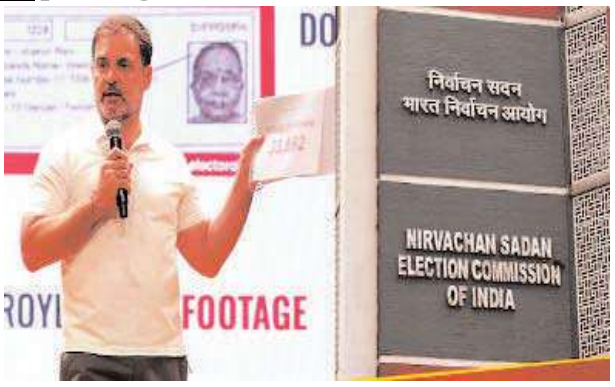

सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। मगर इस मसले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने को लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं।

कुछ समय पहले भी जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, तब भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है! दरअसल, जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे। विडंबना यह है कि संविधान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की ठोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई स्पष्टता कायम होने के बजाय यह सवाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुश्चक्र में उलझता दिख रहा है।

जीएसटी सुधार से 2030 तक टैक्स सिस्टम कैसा होगा?

गोपाल गावंडे
प्रधान संपादक

कुछ वर्षों से वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार की मांग की जा रही थी। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पिछले दिनों जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने और कम करने की घोषणा की। जीएसटी परिषद की जिस बैठक में यह फैसला किया गया, उसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की। बैठक में जीएसटी सुधार की दृष्टि से जटिल कर प्रणाली को सरल और उपभोक्ता अनुकूल बना कर देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने का प्रयास किया गया। बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद जीएसटी श्रेणी को समाप्त कर अब केवल दो श्रेणियां पांच फीसद और अठारह फीसद ही रखी गई हैं। एक नई श्रेणी चालीस फीसद की बनाई गई है, जो उन वस्तुओं पर लागू होगी, जिनसे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है या जो विलासितापूर्ण हैं।

माना जा रहा है कि जीएसटी की नई दरों से न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यवसायों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। जीएसटी परिषद ने नई दरों को 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी बनाने का निर्णय किया है। इसमें आम उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमजीसी) जैसे साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट और खाद्य उत्पादों पर जीएसटी दर को बारह फीसद या अठारह फीसद से घटा कर पांच फीसद कर दिया गया है। इसी तरह सीमेंट, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और टीवी जैसे उत्पादों पर जीएसटी अट्ठाईस फीसद से घटा कर अठारह फीसद कर दिया गया है। इससे घरेलू सामान का मूल्य किफायती हो जाएगा और इससे मध्यम तथा गृहिणियों को काफी राहत मिलने की संभावना है।

इसी परिप्रेक्ष्य में यदि पिछले वर्षों में जीएसटी संग्रह और समस्याओं पर नजर डालें, तो वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों में इसमें 11.7 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय जीएसटी की तुलना में राज्यों का संग्रह उच्च दर 15.2 फीसद से बढ़ा, जो राज्यों में मौजूद विविध उपभोग और खपत का स्वरूप बताता है। वैसे राज्यों के कर संग्रह में काफी असमानताएं भी हैं। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे कुछ प्रदेशों में जीएसटी राजस्व में 17 फीसद से 18.8 फीसद की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि गुजरात, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य राज्यों में दस फीसद से कम वृद्धि हुई।

जीएसटी का व्यवसायों पर प्रशासनिक बोझ कम करने के लिए अनुपालन की प्रक्रियाओं को सरल और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। इसमें 'रिटर्न' भरने की प्रक्रिया में सामंजस्य स्थापित करना और समय पर 'रिफंड' सुनिश्चित करना भी शामिल है। कर चोरी-रोधी उपायों विशेष रूप से नकली चालान और कर चोरी रोकने के उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है। संदिग्ध लेनदेन की पहचान करने के लिए उन्नत डेटा और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। नई कर संरचना से इन समस्याओं का समाधान होगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है। सबसे जरूरी बात यह है कि कुछ वर्षों का अनुभव बताता है कि सरकार द्वारा दी गई राहतों का लाभ अंतिम पंक्ति के उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचता है।

वस्तुओं के उत्पादक या मध्यस्थ अपने निजी स्वार्थों को पूरा करने के लिए इस छूट का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचाने को तवज्जो नहीं देते हैं। जीएसटी दरों में कमी के मामले में भी यह समस्या बाधा बन सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, ताकि दरों में कमी का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के मूल्यों पर नजर रखें। इसकी पहली मासिक रपट 30 सितंबर, 2025 तक और उसके बाद हर महीने की बीस तारीख तक जमा करनी होगी। इस रपट में वस्तु का नाम, ब्रांड और 22 सितंबर से पहले और बाद का अधिकतम खुदरा मूल्य शामिल होगा। इस तरह की व्यवस्था और पारदर्शिता उपभोक्ताओं को वस्तुओं की कम कीमतों की स्पष्ट जानकारी देगी। केंद्र सरकार इस वर्ष दिसंबर तक जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह न्यायाधिकरण विवादों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगा, जिससे कारोबारियों और नागरिकों के लिए पारदर्शिता एवं विश्वास का माहौल बनेगा।

वहीं, जीएसटी दरों में बदलाव के बाद पुराने माल पर नई कीमतें लागू करना कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सरकार ने इस समस्या का समाधान करते हुए कंपनियों को अनुमति दी है कि वे पुराने माल पर स्टिकर, मुहर या आनलाइन प्रिंटिंग के जरिए संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य दर्शा सकती हैं, लेकिन इसके साथ पहले का मूल्य भी दर्शाना होगा।

इसके अलावा, अप्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री का उपयोग 31 दिसंबर, 2025 तक करने की छूट दी गई है। कंपनियों को नए मूल्यों की जानकारी दुकानदारों, राज्य सरकारों, संबंधित केंद्रीय विभागों और उपभोक्ताओं तक पहुंचानी होगी। इसके लिए कम से कम दो समाचारपत्रों में विज्ञापन देना अनिवार्य होगा। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ता मूल और संशोधित कीमतों के बीच अंतर को समझ सकें, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

जीएसटी में इस सुधार बाद एमएसएमई को सरलीकृत अनुपालन, एआइ-संचालित निगरानी और त्वरित 'रिफंड' प्रक्रिया के जरिए सशक्त बनाने की कोशिश है। यह छोटे व्यवसायों को नवाचार और विस्तार का अवसर भी देता है। विशेष रूप से, महिला उद्यमियों के लिए सरलीकृत जीएसटी और आसान ऋण सुविधाओं ने नए द्वार खोले हैं। महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग अब रोजगार सृजन और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। सीमेंट पर जीएसटी अट्ठाई फीसद से घटा कर अठारह फीसद करने से आवास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत कम होगी। यह कदम न केवल नए रोजगार सृजित करेगा, बल्कि 'राष्ट्र-निर्माण' के मिशन को भी गति देगा।

इसी तरह, छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती ने इन्हें पहली बार खरीदने वालों, खासकर युवाओं के लिए किफायती बनाया है। इससे वाहन निर्माण क्षेत्र में मांग बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। दूसरी ओर, कर दरों में बदलाव से बारह फीसद की श्रेणी से अठारह फीसद की श्रेणी में जाने वाली आम जनजीवन के लिए जरूरी कई वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कागज है। इसे बारह फीसद की जगह अठारह फीसद की श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे कागज के मूल्य में करीब छह फीसद की वृद्धि हो जाएगी। नतीजा यह कि कापी-किताबें महंगी हो जाएंगी। इसका सीधा असर शिक्षा पर पड़ेगा। ऐसे में कागज को अठारह फीसद के स्थान पर पांच फीसद की श्रेणी में लाना जरूरी है। इसके अलावा भी जो वस्तुएं आम जनजीवन के लिए जरूरी हैं, उन्हें भी पांच फीसद की श्रेणी में रखने की आवश्यकता है। जीएसटी में नए सुधारों के परिप्रेक्ष्य में यह देखना बहुत जरूरी है कि इसके अंतर्गत दी गई कर छूट का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। इसके लिए सरकार ने जो भी प्रावधान किए हैं, उनके अनुपालन और निगरानी की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

> जीएसटी दरों में बदलाव के बाद पुराने माल पर नई कीमतें लागू करना कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सरकार ने इस समस्या का समाधान करते हुए कंपनियों को अनुमति दी है कि वे पुराने माल पर स्टिकर, मुहर या आनलाइन प्रिंटिंग के जरिए संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य दर्शा सकती हैं, लेकिन इसके साथ पहले का मूल्य भी दर्शाना होगा। इसके अलावा, अप्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री का उपयोग 31 दिसंबर, 2025 तक करने की छूट दी गई है। कंपनियों को नए मूल्यों की जानकारी दुकानदारों, राज्य सरकारों, संबंधित केंद्रीय विभागों और उपभोक्ताओं तक पहुंचानी होगी। इसके लिए कम से कम दो समाचारपत्रों में विज्ञापन देना अनिवार्य होगा। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ता मूल और संशोधित कीमतों के बीच अंतर को समझ सकें, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

शहर में भारी वाहनों की एंट्री बंद, प्रवेश मार्गों पर कैमरे व नो-एंट्री के बोर्ड लगेंगे

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर की यातायात व्यवस्था में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं जिससे कि गत दिनों हुए सड़क हादसे की तरह भविष्य में कोई भी सड़क हादसा नहीं हो।

यातायात सुधार के लिये सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। साधन और सुविधाएँ मुहैया करायी जायेंगी। कलेक्टर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में यातायात सुधार और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह तथा राजेश कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, डीसीपी आनंद कालादगी, एडीएम रोशन राय, अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में गत दिनों हुये सड़क हादसे पर चिंता व्यक्त की गई और तय किया गया कि ऐसे सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित

किए जाएंगे,जिससे कि उक्त घटना की पुनर्रावृत्ति नहीं हो। इस संबंध में बैठक में चर्चा करते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। तय किया गया कि यातायात व्यवस्था की लगातार समीक्षा होगी और सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करते हुए उनका सख्ती से पालन कराया जाएगा। विशेषज्ञों और सभी संबंधितों से चर्चा कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लगातार प्रयास होंगे। बैठक में तय किया गया कि शहर में स्थित नौलखा बस स्टैंड को नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड में शिफ्ट किया जाएगा। बस स्टैंड जल्द प्रारंभ होगा। नायता मुंडला बस स्टैंड में आगामी दो दिनों में सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिये गये कि शहर में अवैध रूप से संचालित बस स्टैंड के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। इधर-उधर यात्री बस खड़ी कर सवारी बैठाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में तय किया गया कि शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतःप्रतिबंधित किया जाये। निर्धारित समय में ही प्रवेश की अनुमति रहे। इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी किया जा रहा है। अत्यावश्यक सेवा के वाहनों के दिन में प्रवेश के लिये समय निर्धारित किया जायेगा। मार्ग का निर्धारण भी होगा, जिससे कि वे भीड़ भरे इलाके में प्रवेश नहीं करें, अपने गंतव्य पर सुरक्षित स्थान से पहुँचे। **वाहन और ड्राइवरों के फिटनेस की जांच-** बैठक में तय किया गया कि वाहनों और ड्राइवरों के फिटनेस की जांच होगी। साथ ही लाइसेंस, परमिट सहित अन्य दस्तावेज भी देखे जायेंगे। इसके लिए अभियान चलाकर जांच की जाएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। जांच और कार्रवाई के लिये टास्क फोर्स बनाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्कूली बसों के सुरक्षित संचालन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में निर्देश दिये गये कि रालामंडल से लेकर अर्जुन बरोदा तक बन रहे ओवर ब्रिज के सभी डायवर्शन मार्ग पर 24 घंटे निगरानी रखी जाये। वाहन खराब होते ही उसे तत्काल हटाया जाये। गड्ढे होते ही उसे तुरंत भरा जाये, बारिश समाप्ति के तत्काल बाद डामरीकरण कर दिया जाए। नवरात्रि के दौरान देवास तथा उज्जैन जाने वाले मार्गों पर विशेष व्यवस्था रखने के निर्देश दिये गये,जिससे कि त्योहारों के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था बनी रहे। मार्ग पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में निर्देश दिये गये कि अनावश्यक रूप से बने स्पीड ब्रेकरों को हटाया जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने पुलिस तथा यातायात पुलिस द्वारा यातायात सुधार के प्रबंधन और कार्रवाइयों के संबंध में जानकारी दी।

सबसे ज्यादा निशाने पर रहे बच्चे, दो की मौत भी हुई

शहर में चूहों का भारी आतंक आठ महीने में 754 को कुतरा

इंदौर। एमवाय अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के एनआईसीयू में नवजातों को चूहे द्वारा कुतरने का मामला सामने आया था। हालांकि शहर में चूहे द्वारा घर, ऑफिस विभिन्न स्थानों पर काटने की घटनाएं होती है। जिसमें एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने से मरीजों को राहत मिल जाती है। आठ माह में चूहे द्वारा लोगों को काटने के 754 मामले सामने आ चुके हैं।

हुकुमचंद अस्पताल के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अगस्त माह तक यह मामले सामने आए है। अस्पताल के रिकॉर्ड के मुताबिक रेट बाइट पीड़ितों में बच्चों से लेकर हर आयु वर्ग के लोग शामिल है। इनमें अधिकांश बच्चे और मधुमेह रोगी मरीज रहते हैं। विशेषज्ञों के

मुताबिक चूहे द्वारा काटने पर पहले टिटनेस का इंजेक्शन लगाया जाता था। लेकिन, डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन में बदलाव के बाद इसमें एंटी रेबीज वैक्सीन को जोड़ दिया है। उनका मानना है कि कई मामलों में चूहे के काटने से रेबीज हो सकता है।

जुलाई माह में ज्यादा शिकार- चूहों के काटने के सबसे कम मामले जनवरी माह में सिर्फ 30 सामने आए। जबकि, जुलाई में सबसे अधिक 234 लोगों को चूहों ने काटा था। विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के दिनों में हर वर्ष चूहे द्वारा काटने के मामले बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े हैं कि जनवरी में 30, फरवरी में 38, मार्च में 55, अप्रैल में 55, मई में 63, जून में 108, जुलाई में 234, अगस्त में 171 लोग चूहों के शिकार हुए। हर साल औसतन 754 लोगों को चूहे काटने के मामले सामने आते हैं।

एंटी रेबीज जरूरी- हुकुमचंद अस्पताल के प्रभारी डॉ आशुतोष शर्मा ने कहा कि हमारे अस्पताल में पीड़ित लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जाती है। इससे लोगों को आराम मिलता है। इस वर्ष अगस्त माह तक 754 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

ट्रक चालक का लाइसेंस निरस्त था, केस दर्ज

इंदौर। सात दिन पहले एयरपोर्ट रोड पर ट्रक चालक ने चार लोगों को अपना शिकार बना लिया था। मामले में ट्रक चालक गुलशेर निवासी धरमपुरी को मल्हारगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 21 सितम्बर तक रिमांड पर है। पूछताछ में पता चला कि चालक का लाइसेंस छह माह पहले निरस्त हो गया था। इसके बावजूद वह ट्रक चला रहा था। लायसेंस निरस्ती की जानकारी ट्रक मालिक साहिल और ट्रांसपोर्टर, जहां का माल ट्रक में लोड था, उसके खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई की जाएगी। 15 सितंबर की शाम कालानी नगर से बड़ा गणपति तक शराब के नशे में नो एंट्री में ट्रक दौड़ाकर तीन लोगों को मौत के घाट उतारने व दर्जनों लोगों को घायल करने वाले नशेड़ी ड्राइवर गुलशेर के साथ हेल्पर शंकर को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ में जुटी है।चालक से पुलिस रिमांड पर पूछताछ में कई जानकारियों मिली है। इसके खिलाफ अब तक दो एफआइआर दर्ज हो चुकी है। मामले में पुलिस को ट्रक मालिक साहिल खान पिता जफरुद्दीन निवासी तंजीम नगर, खजराना की तलाश है, जो धरमपुरी में रह रहा है। पुलिस टीम ने वहां दबिश दी लेकिन मकान पर ताले मिले। ट्रक मालिक परिवार सहित गायब है जिसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

'आनंद गोष्ठी' ने नेताओ व नागरिकों द्वारा

हादसों में मृत लोगों का तर्पण किया

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के दिवंगत महापुरुषों, नेताओं, प्रचारकों, शहीदों, सैनिकों और पहलगाम आतंकी हमले तथा सड़क दुर्घटना में मारे गए निर्दोष ज्ञात, अज्ञात नागरिकों का श्राद्ध कर तर्पण किया । संस्था आनंद गोष्ठी के संयोजक लव मालू ने बताया कि श्राद्ध पक्ष में इंदौर में इस अलौकिक आयोजन की शुरुआत संस्था आनंद गोष्ठी के संरक्षक,वरिष्ठ भाजपा नेता स्व गोविन्द मालू ने की थी उसी क्रम में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के शहीदों, महापुरुषों,भाजपा और आरएसएस के दिवंगत कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और नेताओं, प्रचारकों, संतों और का कृष्णपुरा छत्री पर आज श्राद्ध तर्पण आचार्य पं मनोज भार्गव (रामायणी) के सानिध्य में किया। लव मालू ने कहा समाज के लिए जो जिए, उनके प्रति हमारा दायित्व है वह पूरा कर रहें है ऐसे महान व्यक्तियों की आत्मा हमे सुपंथ पर ईमानदारी से जन सेवा, समाज सेवा, राष्ट्र सेवा करने का सामर्थ्य और शक्ति दे यह हमनें पुरखों का श्राद्ध कर उनका स्मरण करते हुए उनसे कृपा बरसाने का आव्हान किया। इस अवसर पर अनंत महंत,अमित विजयवर्गीय, लक्ष्मीनारायण भार्गव,अशोक चतुर्वेदी, तेजकरण साहू, दिनेश गोयल, सहित कई गणमान्यजन, भाजपा कार्यकर्ताओं तथा संस्था के स्वयंसेवकों ने तर्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नवरात्रि आज से, 30 एकड़ में विश्व का सबसे बड़ा पंडाल तैयार

शहरभर में पांडालों की सजावट और तैयारियां पूरी हुई

इंदौर। नौ दिनों तक चलने वाला माता दुर्गा की आराधना का पर्व नवरात्रि सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर शहरभर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। विभिन्न क्षेत्रों में पंडालों का निर्माण और सजावट लगभग पूरी हो चुकी है। जगतगुरु बसंत विजयानंद गिरी महाराज द्वारा इंदौर में विश्व का सबसे बड़ा पंडाल बनाया जा रहा है, उसे जगतगुरु ने %सनातन नवरात्रि महोत्सव% का नाम दिया गया। इस बार इंदौर में माता-रानी के स्वागत की भव्य तैयारियां की जा रही हैं। इंदौर के वीआईपी परस्पर नगर परिसर में करोड़ों का यह पंडाल बनाया जा रहा है। इसकी खासियत यह होगी कि एक ही पंडाल के परिसर में 12 ज्योतिर्लिंगों के अलग-अलग पंडाल बनाए जा रहे हैं। 30 एकड़ में बन रहे इस पंडाल को दक्षिण भारत के मंदिरों के तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश सहित देश के दूसरे राज्यों से आए 500 से ज्यादा कलाकार तीन महीने से इस पंडाल को तैयार कर रहे हैं। इसी के साथ देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों की तरह जैसे मुंबई के दगडू सेठ, लाल बाग के राजा के साथ इंदौर के खजराना मंदिरों के तर्ज पर पंडाल बनाए जाएंगे। भक्तों का अनुमान है कि इन सभी व्यवस्थाओं पर करीब

300 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। यह पैसे चंदे के जरिए इकट्ठा किया जा रहा, जो बसंत विजयानंद गिरी महाराज के भक्तों द्वारा दिया दान होगा। इसके साथ ही इस आयोजन में तांबे के बने स्वर्ण कलश को बिक्री के लिए रखा जाएगा, जिसकी कीमत 30 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक होगी। इन कलश से आने वाले पैसों को पंडाल में लगाया जाएगा। पंडाल में लाखों भक्तों के रोजाना भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। तैयारियां अभी से की जा रही है। **एक हजार पंडाल बने** - जानकारी के अनुसार इस वर्ष इंदौर शहर में करीब 1 हजार पंडालों में माता दुर्गा की स्थापना की जाएगी। इन पंडालों में पारंपरिक गरबा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई मिट्टी और पर्यावरण मित्र सामग्री से तैयार मूर्तियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों पर प्रतिबंध लगाया है। इसी कारण अधिकतर स्थानों पर पारंपरिक शिल्पकला की झलक देखने को मिलेगी। नवरात्रि का पर्व 22 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे राजवाड़ा, सराफा, चोइथराम मंडी, पलासिया, विजय नगर, चितावद, पंढरीनाथ, राज मोहल्ला, लालबाग, राजेंद्र नगर और सुपर कॉरिडोर पर विशेष पंडाल सजाए गए हैं। इनमें आकर्षक रोशनी, भव्य सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। राजवाड़ा क्षेत्र की मूर्तियां ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से खास महत्व रखती हैं, जहां हर वर्ष पारंपरिक कलाकृतियों का अनोखा प्रदर्शन होता है। सार्वजनिक दुर्गा माता मंदिर समिति से जुड़े रजत शर्मा और यश चौहान ने बताया कि समाजवादी इंदिरा नगर माता मंदिर परिसर में विशेष रोशनी की व्यवस्था की गई है। सड़क मार्गों को सजाया गया है और श्रद्धालुओं के बैठने के लिए गैलरियों का निर्माण भी कराया गया है। श्रद्धालुओं में नवरात्रि को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

इंदौर-उज्जैन रोड पर मां करणी सेना का ज़बरदस्त धरना-प्रदर्शन, 2 घंटे तक लगा जाम

रणजीत टाइम्स विशेष रिपोर्ट

रिंगनोदिया (इंदौर)। प्रदेश प्रभारी यादवेंद्र सिंह गौर (यादू) के नेतृत्व में मां करणी सेना ने सोमवार को इंदौर-उज्जैन रोड पर धरना-प्रदर्शन एवं चक्का जाम किया। इस दौरान करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हुए शामिल

इस धरना-प्रदर्शन में मां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आंदोलन को समाजजनों व कार्यकर्ताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ।

आंदोलन की प्रमुख मांगें

धरना-प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा था –

1. कंस्ट्रक्शन कंपनी पर FIR दर्ज हो।

2. पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाया जाए।

मौके पर पहुंचे SDM धनकर जी, SDOP भदौरिया जी एवं थाना प्रभारी ने करणी सेना के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और आश्वासन दिया कि 7 दिन के भीतर न्यायपूर्ण समाधान प्रस्तुत किया जाएगा। पीड़ित परिवार के बड़े भाई बाबू सिंह सोलंकी ने इस सहमति पर अपनी सहमति जताई।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

इस मौके पर संगठन की ओर से भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख नाम रहेः जितेंद्र पंवार, ईश्वर राठौड़, बाला ठाकुर, राजकुमार भदौरिया, गोलू ठाकुर, हर्षित ठाकुर, बलराम राठौड़, अविराज चौहान, सुशील चौहान, गौरव राजावत, शैलेन्द्र चंदेल, राहत पंवार, गौरव चौहान, शिशुपाल ठाकुर, विवेक चौहान, सुनील सोलंकी, प्रकाश पंवार, देवेंद्र सिंह, रविन्द्र बुंदेला एवं मां करणी सेना की पूरी टीम।

इंदौर से अमृतसर बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी गई राहत सामग्री पहुंची अमृतसर

मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ ने किया सतवाल गांव को एडॉप्ट

इंदौर/अमृतसर। पंजाब के अमृतसर ज़िले में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों की सहायता हेतु मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ एवं राधे राधे फाउंडेशन द्वारा राहत सामग्री का बड़ा काफिला इंदौर से रवाना होकर अमृतसर पहुंच चुका है।

ट्रकों में भेजी गई सामग्री में राशन, दवाइयाँ, कपड़े, कंबल, बिस्किट, पानी की बोतलें और पशुओं के लिए दवाइयाँ शामिल हैं। यह सामग्री अमृतसर से सटे गांवों तक विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पहुँचाई जा रही है। महासंघ ने घोषणा की है कि डेरा बाबा नानक के पास स्थित सठवाल गांव को एडॉप्ट किया जाएगा।

इस गांव की 136 एकड़ कृषि भूमि और 200 से अधिक परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। यहां प्रभावित परिवारों तक न केवल राशन पहुँचाया जा रहा है बल्कि मेडिकल कैंप लगाकर दवाइयाँ, किसानों को बीज, डीएपी/एनपीके उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेवा कार्य समाजसेवी योगेंद्र महंत, संतोष मीणा, मंजीत सिंह भाटिया, रिंकू वीर जी, रुपेश जैन, सलीम शेख, मनोज मेहना सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं व स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। वहीं महासंघ के अध्यक्ष शशि सातपुते के नेतृत्व में श्रेयांश जैन, रविन्द्र जाधव, विकास पवार, विनय परमार, अमृतसर के आस-पास राहत सामग्री का वितरण कर रहे हैं और इन सभी सेवा कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि सठवाल गांव को दीर्घकालिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वहां के प्रभावित परिवारों को पुनः सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके।

इंदौर सांची दुग्ध उत्पादन में जीएसटी में कमी का पूरा लाभ सांची उपभोक्ताओं को मिलेगा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलवीर शर्मा जी के द्वारा अवगत कराया गया केंद्र सरकार द्वारा दूध के विभिन्न उत्पादों पर प्रभावशील जीएसटी में संशोधन कर दिनांक 22/9/2025 सोमवार से नवीन जीएसटी लागू करने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया है जिसके परिपालन में एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड भोपाल एमपीसीडीएफ से संबंध इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा उत्पादित दुग्ध उत्पादन में जी,एसटी संशोधन के कारण सांची दुग्ध उत्पादों की उपभोक्ता दरों में दिनांक 22/9/2025 सोमवार से कमी करते हुए विक्रय किए जाने का निर्णय लिया गया है जिससे सांची दुग्ध उत्पादों पर प्रभावशाली जीएसटी दरों में कमी होने से उसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा जिससे उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी सांची के विभिन्न दुग्ध उत्पादों पर प्रभावशील जीएसटी में संशोधन होने पर दिनांक 22/9/2025 से विभिन्न पैक में सांची पनीर की टेबल बटन आइसक्रीम एवं कुकीज की दरों में कमी की गई है।

विधायक मनोज चौधरी का जन्म दिवस सेवा रूप में मनाया

रणजीत टाइम्स

भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ता द्वारा हमारे लोकप्रिय नेता मां नर्मदा के लाल विधायक श्री मनोज भैया चौधरी जी का जन्म दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटपीपल्या में फल वितरण किए, शहीद भगत सिंह जी को माल्यार्पण किया, सज्जन नगर में बच्चों को कॉपी पेन वितरण किए, एक पेड़ मां के नाम पानी की टंकी के यहां पौधारोपण किया गया, एवं गौशाला पहुंचकर गौ माता को गुड़ धनिया की सेवा की गई इस शुभ अवसर पर राजेंद्र सिंह सेंधव नगर मंडल अध्यक्ष, बापुजी जी घोषरिया विधानसभा प्रभारी, संतोष जी गोठी ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, अरुण जी राठौर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि, महेंद्र यादव पूर्व मंडी अध्यक्ष, भूजराम जी जाट पार्षद, राहुल जी तंवर पार्षद, मनीष सोलंकी महामंत्री नगर मंडल हाटपीपल्या, सुरेंद्र सिंह सेंधव मंडल उपाध्यक्ष, राजेंद्र जी चावड़ा मंडल उपाध्यक्ष, संदीप जी मालवीय पार्षद व अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्व पितृ अमावस्या पर तर्पण संपन्न

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या- स्थानीय गायत्री तीर्थ पर दिनांक 21 सितंबर 2025, रविवार को प्रतिवर्षानुसार सर्व पितृ अमावस्या पर्व पर नौ कुंडीय यज्ञशाला में प्रातः 6:00 बजे से 7:00 बजे तक यज्ञ संपन्न हुआ इसके पश्चात तर्पण और पिंडदान के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर एवं क्षेत्र के परिजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन एवं कर्मकांड प० मनोहर गुरु ने संपन्न किया एवं अपने उद्बोधन में कहा "जिस प्रकार तर्पण के जल के माध्यम से अपनी श्रद्धाभिव्यक्ति की जाती है उसी प्रकार हविष्यान्न के माध्यम से भी श्रद्धाभिव्यक्ति की जाती है। दिवंगत आत्माओं की तृप्ति के लिए यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य है।" कार्यक्रम के पश्चात शारदीय नवरात्रि अनुष्ठान का संकल्प भी परिजनों ने लिया। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यह जानकारी गायत्री परिवार के श्री गिरीश चंद्र गुरु ने देते हुए दिनांक 22 सितंबर से शुरू हो रही शारदीय नवरात्रि के पर्व के उपलक्ष्य में अनुष्ठान एवं साधना शिविर में सम्मिलित होने का निवेदन किया, जिसकी पूर्णाहुति 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व पर होगी। सर्व पितृ अमावस्या पर प्रमुख स्नान घाट और सार्वजनिक तर्पण स्थलों पर रही श्रद्धालुओं की भीड़ । रविवार को सर्व पितृ अमावस्या पर्व पर बागली अंचल क्षेत्र में अलग-अलग स्थान पर एक लाख से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर अमावस्या के महत्व को अलग-अलग तरीके से मनाया क्षेत्र मे धारा जी स्नान घाट और चद्रंकेश्वर घाट पर शासन प्रशासन में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था एक दिन पूर्व से की थी। वही हाट पिपलिया गायत्री शक्तिपीठ पर बड़ी संख्या में जजमान श्रद्धालुओं ने आकर अपने इष्ट मित्र और ज्ञात अज्ञात मृत आत्माओं का तर्पण किया इसी प्रकार पिपरी स्थित मनकामेश्वरी नर्मदा माता मंदिर परिसर में भी विगत कई वर्षों से जारी परंपरा के दौरान प्रकृति का आपदा में और पहल गांव में शहीद हुई मृत आत्माओं के लिए तथा ज्ञात अज्ञात संत साधू और नदियों किनारे विचरण करने वाले तपस्वी लोगों का तर्पण विधि विधान से किया गया हाटपिपलिया से गायत्री परिवार के भक्त संजय जोशी ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ पर विगत 28 वर्ष से तर्पण विधि का कार्य किया जाता है प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में परिजन यहां पर शामिल होते हैं पिपरी स्थित मनकामेश्वरी मंदिर सनातन सेवा समिति के सदस्य गिरधर गुप्ता ने भी बताया कि विगत 20 वर्षों से नर्मदा मंदिर परिसर में वर्ष की दोनों सर्व पितृ अमावस्या पर तर्पण विधि कार्यक्रम संपन्न होता है। यह कार्यक्रम विद्वान पंडितों की देखरेख में विधि विधान से संपन्न होताहै। कुछ लोग जटाशंकर तीर्थ पर भी स्नान करने पहुंचे बारिश अधिक होने की वजह से सभी स्नान घाट पर पर्याप्त पानी होने की वजह से शासन प्रशासन ने सुरक्षा के पर्याप्त साधन उपलब्ध चरण धारा जी और चंद केसर में पुलिस बल तैनात रहा। धारा जी स्नान करने गए श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्हें घाट पर जाकर अच्छा लगा लेकिन 14 किलोमीटर का मार्ग बेहद खराब होने से बहुत परेशानी आई प्रशासन को चाहिए कि 14 किलोमीटर मार्ग को प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोड़कर इस क्षेत्र का विकास कर दे ताकि रोजगार क्या अवसर उपलब्ध हो सके।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

एक शाम भोले के नाम शिव भजन संध्या एवं सम्मान समारोह आयोजित

अंतिम सांस बाबा श्री अमरनाथ के तथा समाज के लिए समर्पित। अध्यक्ष रत्नेश वर्मा शीलू

शिव सेवक समिति के द्वारा एक शाम भोले के नाम शिव भजन संध्या एवं सम्मान समारोह महाप्रसाद वितरण का आयोजन नानाराव पार्क फूलबाग में हजारों श्रद्धालुओं के बीच आयोजित हुआ। आयोजन में पहुंची पूर्व सांसद साध्वी निरंजन ज्योति विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना महापौर प्रमिला पाण्डेय सांसद रमेश अवस्थी कैबिनेट मंत्री राकेश सचान विधायक महेश त्रिवेदी एमएलसी अरुण पाठक सांसद नरेश उत्तम पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया का स्वागत समिति अध्यक्ष रत्नेश वर्मा शीलू ने मंच पर माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। आयोजन में पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा में अपना सहयोग देने वाले कर्मयोगी सुनील सचान संदीप देवड़ा प्रिंस सचान मोहित आकाश राहुल रामप्रताप भोला अंकुर सुधीर को सम्मानित किया गया। महापौर प्रमिला पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि शिव सेवक समिति विगत कई वर्षों से निरंतर पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा में लाखों लाख भक्तों को अपनी सेवाएं देकर उनकी यात्रा को पूर्ण करा रही है। और मैं खुद इस समिति की संरक्षिका हूं और समिति के अध्यक्ष रत्नेश वर्मा शीलू वास्तव में कानपुर के गौरव और लाल है। वहीं दूसरी ओर साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि शिव सेवक समिति भारत भर में अपनी सेवाओं की बदौलत ही परचम लहरा रही हैं। शिव भजन संध्या में आए प्रसिद्ध भजन गायक राकेश लख्खा एवं पं पुनीत कृष्ण जेटली पगला बनारसी के द्वारा भजनों को सुन भक्त मंत्र मुग्ध हो उठे। समिति अध्यक्ष रत्नेश वर्मा शीलू ने कहा कि उनकी अंतिम सांस बाबा श्री अमरनाथ के लिए समर्पित हैं उनके जीवन का लक्ष्य समाज की सेवा करते रहना है। सांसद रमेश अवस्थी ने समिति की प्रशंसा करते हुए कहा समिति के द्वारा निःशुल्क ई रिक्शा की सेवाएं एवं चाइल्ड केयर की सेवाएं भारत भर में कानपुर का नाम रौशन कर रही है। इस दौरान बम बम भोले हर हर महादेव के जोरदार नारे हजारों की संख्या में मौजूद भक्तों ने लगाए। आयोजन में आए हजारों भक्तों को समिति के द्वारा महाप्रसाद एवं प्रसाद रूपी भोजन वितरित किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से राहुल संजय गौतम सनी चौहान जगन ललित आलोक कुमार अनिल चतुर्वेदी स्रोत गुप्ता आनंद शर्मा श्याम जी तिवारी नीरज पांडे अमित वर्मा परशुराम शुक्ल मोंटी शुक्ला प्रमोद त्रिपाठी पार्षद योगेंद्र शर्मा अनुज यादव मनोज जायसवाल रवि यादव रितेश गुप्ता सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

इंदौरः ट्रेजर आइलैंड मॉल में इस सप्ताहांत एक अद्भुत और जोश से भरा आयोजन देखने को मिला, जहां व्हिज़ी विंग्स द्वारा आयोजित

इंदौर गॉट टैलेंट- सीज़न 2 ने इंदौर की युवा प्रतिभा को एक चमकदार मंच प्रदान किया। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि इंदौर की कला, संस्कृति और क्रिएटिव एनर्जी का उत्सव बन गया। गायकों ने अपनी सुरीली आवाज़ों से हर दिल को छू लिया, डांसर्स ने अपने जबरदस्त स्टेप्स से स्टेज पर धमाल मचाया, कवियों ने शब्दों से भावनाओं को जीवंत कर दिया, रैपर्स ने स्टाइल और सोच का नया मेल पेश किया, योग प्रदर्शनकारियों ने अपनी लचीली मुद्राओं से सबको चकित किया, और आर्ट व क्राफ्ट के कलाकारों ने अपनी रचनात्मकता से आंखों को सुकून दिया। इस भव्य कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और हजारों दर्शकों ने मॉल में पहुंचकर हर प्रस्तुति का भरपूर आनंद उठाया। इस सफल आयोजन के पीछे व्हिज़ी विंग्स के संस्थापक *अंशुल जैन* और *श्रेया अनासाने* की महीनों की मेहनत और विज़न था, जो इंदौर के युवाओं को एक ऐसा मंच देने में सफल रहा जहां वे न केवल अपनी प्रतिभा दिखा सके, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी पा सके। "इंदौर गॉट टैलेंट" सीजन 2 ने यह साबित कर दिया कि इंदौर में टैलेंट की कोई कमी नहीं, जरूरत है बस एक सही मंच की – और यही मंच व्हिज़ी विंग्स ने बखूबी प्रदान किया। कार्यक्रम के निर्देशक कृपाल सिंह, आयुषी, कनुप्रिया शर्मा, तुषार, संदीप, प्रगति,आकाश, शिखा जी, कविता, कुणाल, रोहन, सूरज, ज्योति और परस रहे है। साथ ही टीम ने सबसे अधिक धन्यवाद ट्रेजर आयलैंड मॉल, नोवार्सिस टेक, निटिंग नॉट, जजेस और सभी कंटेस्टेंट का माना।

एक साल से बगैर बीमा और फिटनेस के पिछोर, खनियाधाना में दौड़ रही मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना की गाड़ियाँ

विभागीय अधिकारी कार्रवाई करने में दिखे असमर्थ

संवाददाता जगदीश पाल-9425734189

पिछोर/खनियाधाना/शिवपुरी(संवाददाता)

शिवपुरी जिले में मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अंतर्गत पिछले एक वर्ष से बिना बीमा और फिटनेस के चल रही गाड़ियों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा लगातार पत्र जारी किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही सामने नहीं आई है। यह लापरवाही न केवल सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता को धूमिल कर रही है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ कर रही है। आदेशों की अवहेलना, अधिकारी चुप जानकारी के मुताबिक, जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बार-बार संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर स्थिति सुधारने और नियमों का पालन करवाने के निर्देश दिए गए। लेकिन विभागीय स्तर पर आदेशों की जमकर अवहेलना हो रही है। इन गाड़ियों को रोकने या दंडात्मक कार्यवाही करने की जगह उन्हें अनदेखा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति केवल अधिकारियों की लापरवाही नहीं, बल्कि "मिलीभगत और भ्रष्टाचार" की ओर भी इशारा करती है। बिना बीमा और फिटनेस के गाड़ियाँ क्यों खतरा बिनाबीमाऔरफिटनेसकेवाहनचलानानकेवलकानून का उल्लंघन है, बल्कि लोगों की जान से खिलवाड़ भी है। बीमा न होनाः दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को कोई मुआवजा नहीं मिल पाएगा।

फिटनेस न होनाः तकनीकी खराबी और सड़क दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। योजना की साख पर सवाल मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना की साख पर भी इससे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जवाब देने से बचतीं जिला पीडीएस प्रभारी शिवपुरीइस मामले में जब संवाददाता द्वारा पीडीएस प्रभारी शिवानी गुप्ता से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने न तो फोन रिसीव किया और न ही कॉल बैक किया। उनकी चुप्पी ने संदेह और गहरा दिया है। आमजन का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही जवाब देने से कतराएँगे, तो नियमों का पालन कैसे होगा? स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों का मानना है कि जब इतने लंबे समय से बिना बीमा और फिटनेस की गाड़ियाँ चल रही हैं और अधिकारी चुप हैं, तो इसके पीछे कोई न कोई "मोटी रकम" या "साठगांठ" का खेल जरूर है। किया अधिकारियों ने आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है या फिर रिश्वत लेकर नियमों को ताक पर रख दिया गया है? नियम-कानून का सीधा उल्लंघन मोटर व्हीकल एक्ट और अन्य प्रावधानों के तहत कोई भी वाहन बीमा और फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना सड़क पर नहीं चल सकता। ऐसे वाहन पकड़े जाने पर भारी जुर्माना और वाहन जब्ती का प्रावधान है। लेकिन करेरा, पिछोर और खनियाधाना क्षेत्र में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस पूरे मामले को लेकर जनता में भारी नाराजगी है। लोग कहते हैं कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों तक सुविधा पहुँचाना है। लेकिन जब अधिकारी ही लापरवाह होंगे तो योजनाएँ सिर्फ कागज़ों में ही सफल नजर आएंगी। जिम्मेदारों से जवाबदेही की मांग स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है किः बिना बीमा और फिटनेस के चल रही गाड़ियों को तुरंत रोका जाए। 2. जिम्मेदार अधिकारियों पर विभागीय और दंडात्मक कार्यवाही की जाए। 3. मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। 4. जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया जाए। एक साल से बिना बीमा और फिटनेस के चल रही गाड़ियों का मामला केवल विभागीय लापरवाही नहीं, बल्कि एक गंभीर सिस्टम फेलियर का उदाहरण है। सवाल यह उठता है कि जब शासन बार-बार पत्र और आदेश जारी कर रहा है, तो जमीनी स्तर पर उनकी अवहेलना क्यों हो रही है? अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो न केवल किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी, बल्कि शासन की योजनाओं पर भी आमजन का भरोसा उठ जाएगा।